Rashtriya Sahara 28/7/12

यूपी में पारदर्शी तबादले की तरकीब पूछी गुजरात पुलिस ने

लखनऊ (एसएनबी)। यूपी पुलिस में हजारों पुलिसकर्मियों की पूरी पारदर्शिता के साथ किये गये तबादलों की ख्याति गुजरात तक पहुंच चुकी है। गुजरात पुलिस ने यूपी पुलिस के अधिकारियों से यह जानना चाहा है कि आखिर उन्होंने ऐसा कौन सा तरीका अख्तियार किया जिससे इतने सारे तबादले बेहद कम समय में और बिना किसी विवाद के हो गये। गुजरात पुलिस ने यूपी पुलिस के एक आलाधिकारी को अपने यहां बुलाया भी है ताकि वे यह जान सके कि किस तरह इस पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। इस बारे में जल्द ही गुजरात पुलिस की ओर से एक पत्र यूपी पुलिस को भेजा जाएगा जिसे शासन से स्वीकृति मिलते ही एक अधिकारी गुजरात रवाना होगा।

- कम समय में हजारों पुलिसकर्मियों के विवादरहित तबादले की चर्चा गुजरात तक पहुंची
- एक आलाधिकारी को बुलाया, जल्द ही आएगा एक औपचारिक पत्र

प्रदेश पुलिस ने हाल ही में एक खास साफ्टवेयर की मदद से करीब 45 हजार पुलिसकर्मियों के तबादले किये थे। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे खास बात यह रही कि न ही किसी पुलिसकर्मी को किसी बाबू के पास चक्कर काटना पड़ा और न ही उन्हें मुख्यालय आना पड़ा। सभी के तबादले भी उनकी पसंद की जगह पर किये गये जिससे कोई विवाद भी नहीं हुआ। इस बात की चर्चा भी खूब हुई और देश के दूसरे कोने में स्थित गुजरात राज्य तक भी पहुंची। यूपी पुलिस की इस उपलब्धि से गुजरात पुलिस खासा प्रभावित हुई और उसके एक आलाधिकारी ने तबादले की पूरी प्रक्रिया को अंजाम देने वाले यूपी पुलिस के आईजी स्थापना संदीप सालुंके से सम्पर्क साधा। उन्होंने फोन पर उनसे तबादले की पूरी प्रक्रिया और साफ्टवेयर की खूबियों के बारे में पूछा। उन्होंने श्री सालुंके से कहा कि वे गुजरात आयें ताकि वे लोग भी उनके अनुभवों का लाभ उठा सकें। साफ्टवेयर की तमाम खूबियों के बारे में जानकर गुजरात पुलिस बेहद उत्साहित है और उसे भी यह लगने लगा है कि इसके जरिये वे भी अपने यहां कई कार्यों को पूरी पारदर्शिता और सुविधाजनक तरीके से पूरा कर सकते है। इस बारे में गुजरात पुलिस जल्द ही यूपी पुलिस को एक औपचारिक पत्र भेजेगी जिसमें श्री सालुंके को गुजरात आमंत्रित किया जाएगा। शासन की स्वीकृति मिलते ही श्री सालुंके गुजरात जाकर वहां यूपी पुलिस के तबादले की इस तरकीब के बारे में बतायेंगे।

संदीप सालुंके

विधान भवन की सुरक्षा पर भी मांगी राय : श्री सालुंके को अपने यहां बुलाकर गुजरात पुलिस अपनी दो समस्याओं को दूर करना चाहती है। तबादले के अलावा गुजरात पुलिस गांधीनगर स्थित अपने विधानभवन की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के लिये श्री सालुंके की मदद लेना चाह रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी कई आतंकवादी संगठनों के निशाने पर हैं और इसे देखते हुए गुजरात पुलिस उनकी और बाकी विधायकों की सुरक्षा में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। श्री सालुंके प्रतिनियुक्ति पर नई दिल्ली स्थित संसद भवन के डायरेक्टर सिक्योरिटी रह चुके हैं। अपने कार्यकाल में उन्होंने संसद भवन में कई नवीन प्रयोग कर उसकी सुरक्षा को फुलप्रूफ बनाया है। उन्होंने संसद भवन में पहली बार जगह-जगह सीसीटीवी, रोड ब्लाकर, टायर किलर, बूम बैरियर्स, फ्लैप बैरियर्स, संसद भवन में प्रवेश करने वाली गाड़ियों में रेडियो फ्रीक्वेंन्सी, आईडी चिप आदि लगवाये। यह कार्य उन्होंने आईबी, एसपीजी और एनटीआरओ के साथ मिलकर अंजाम दिया। उनके इस अनुभव को देखते हुए गुजरात पुलिस ने उनसे अपने यहां भी सुरक्षा मजबूत करने के बारे में राय मांगी है।

साफ्टवेयर के भुगतान के लिये भटक रही यूपीडेस्को : जिस साफ्टवेयर की प्रशंसा प्रदेश के हजारों पुलिसकर्मी कर रहे है उसे बनाने वाले भुगतान के लिए अब भी पुलिस अधिकारियों के पास चक्कर काट रहे है। यूपी पुलिस के लिए यह साफ्टवेयर यूपीडेस्को ने बनाया था और इसकी कीमत डेढ़ लाख रुपये रखी थी। इसके अलावा इसके रखरखाव के लिए यूपी पुलिस को 45 हजार रुपये महीना भुगतान करना था। साफ्टवेयर की मदद से तबादले तो हो गये लेकिन उसका भुगतान अभी तक नहीं हुआ। डीजीपी मुख्यालय से भुगतान से संबंधित फाइल पुलिस मुख्यालय इलाहाबाद भेजी गयी जिसका काफी समय बीतने के बाद भी यूपीडेस्को का भुगतान अभी अटका हुआ है।